कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी, हां। कुछ कोयला उत्पादक क्षेत्रों में उत्पादन तथा परिवहन क्षमताओं में कुछ असमानता विद्यमान हैं। यह असमानता नवम्बर तथा मार्च के बीच अधिकतम उत्पादन अवधि में और भी बढ़ जाती हैं।

(ख) कोल इंडिया लि० तथा सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लि० के दोनों के मामले में पिछले तीन वर्षों की अवधि में वैगनों की आपूर्ति तथा उनके वास्तविक लदान के संबध में सहमत हुए लक्ष्यों को नीचे दर्शाया गया है :

(चार पहियों वाले वैगन प्रति दिन के हिसाब स)

(अनंतिम आंकड़े)

वर्ष	सहमत लक्ष्य	वास्तविक औसत लदान
1990–91	15811	14564
1991–92	16486	15562
1992–93	17072	16483

(ग) रेलवे वैगनों के अधिकतम उपयोग के लिए सभी संबंधित पक्षों के प्रयासों को समान्वित करने हेतु रेलवे अधिकारियों के साथ नियमित रूप में बैठकें की जाती हैं।

घटिया किस्म के कोयले का उत्पादन

30. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच हैं कि घटिया किस्म के कोयथे का उत्पादन बढ़ रहा हैं;

(ख) यदि हां, तो पिछले पांच वर्षों में घटिया किस्म के कोयले का उत्पादन कुल उत्पादन का कितने प्रतिशत था;

(ग) घटिया किस्म के कोयले के उत्पादन के क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार द्वारा घटिया किस्म के कोयले को बढ़िया किस्म के कोयले में परिवर्तित करने हेतु किसी तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ग) जी नहीं, प्रश्न ही नही उठता।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता, किंतु कोयले की गुणवत्ता में सुधार लाए जाने के लिए अन्य बातों के अलावा, निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं :–

(1) चालू परियोजनाओं का तेजी से विकास किया जाना तथा इस्पात आदि के लिए अपेक्षित ग्रेड के कोयले के उत्पादन किए जाने के लिए नई खानों को खोला जाना।

(2) विद्युत तथा अन्य ऐसे ही उद्योगों के लिए एक समान गुणवत्ता ला ने कोयले की आपूर्ति किए जाने के लिए कोयला रखरखाव व्यवस्था की स्थापना किया जाना।

(3) विद्यमान कोककर कोयला वाशरियों में संशोधन तथा आधुनिकीकरण करना।

(4) इस्पात संयंत्रों के उपयोग के लिए विशिष्ट ग्रेड के माध्यम कोककर कोयले की धुलाई के लिए नई वाशरियों की स्थापना किया जाना।

(5) कुछ दूरस्थ विद्युत गृहों, जो कि कोलफील्ड्स से 1000 कि.मी. से भी अधिक की दूरी पर स्थित हैं, के लिए परिष्कृत कोयल की आपूर्ति किए जाने के लिए कोयला परिष्करण परियोजनाओं की स्थापना किया जाना।